राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में माननीय मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार जी (वन, योजना, सांख्यिकी एवं आर्थिक) मध्यपद्रेश शासन, भोपाल द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर वन अधिकारी एवं कर्मचारी हुए सम्मानित

दिनांक 24.02.2018

क्र	नाम	पदनाम	उत्कृष्ट कार्य	
1	डॉ. अर्चना शर्मा	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं शाखा प्रभारी, बीज तकनीक	वर्ष 1997 से संस्थान के बीज तकनीकी शाखा में बीज तकनीक, प्रशंस्करण, प्रमाणीकरण एवं भंडारण की विधियों के विकास पर अनुसंधान प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण कार्य किया।	
2	डॉ. अंजना राजपूत	वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी एवं शाखा प्रभारी, वन्य प्राणी शाखा	• वर्ष 2016 में इनके द्वारा मध्यप्रदेश के सभी संरक्षित वन क्षेत्रों में बाघ एवं अन्य वन्यप्राणियों की स्थिति संबंधित प्रथम बार प्रतिवेदन तैयार किया गया। • सभी वन मंडलों एवं संरक्षित क्षेत्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ''बाघ सह परभक्षी, चौपायों एवं उनके वास स्थलों के अनुश्रवण'' विषय पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण लगभग लगभग 350 मास्टर ट्रेनर तैयार किये गये । अखिल भारतीय बाघ गणना वर्ष 2018 हेतु मध्यप्रदेश वन विभाग को पूर्व आंकड़ों के विशलेषण उपरांत तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया जिसमें नई तकनीकों एवं वैज्ञानिक तरोके से गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों का संग्रहण करने पर विशेष जोर दिया गया । इनके द्वारा किये गये इस कार्य को पूरे प्रदेश में सराहा गया ।	

क्र	नाम	पदनाम	उत्कृष्ट कार्य	
3	डॉ. एस.के. मसीह	वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, जैव विविधता शाखा	डॉ. मसीह, राज्य वन अनुसंधान संस्थान में विगत 28 वर्षो से शोध कार्य कर रहें है। इनके द्वारा मुख्य रूप से सरदार सरोवर डूब क्षेत्र में, विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों, अभ्यारणय, बायोस्पेर रीज़र्वस एवं विभिन्न वन मंडलों में वन संसाधन सर्वेक्षण का कार्य किया गया। इनके द्वारा मध्यप्रदेश की विभिन्न आदिवासी जन–जातीयों के परंपरागत ज्ञान के अभिलेखन का कार्य पूर्ण किया गया । इसके अतिरिक्त मध्यप्रदेश वन विभाग, मेपकॉस्ट, राज्य औषधीय पादप बोर्ड, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड आदि विभिन्न वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत लगभग 42 शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है।	
4	डॉ. उदय होमकर	वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी एवं शाखा प्रभारी, जैव विविधता एवं औषधीय पौध	विगत 20 वर्षो से संस्थान की जैव विविधता एवं औषधीय पौध शाखा में कार्यरत है। विभिन्न वन क्षेत्रों की जैव विविधता का अध्ययन कार्य किया गया । औषधीय एवं सगन्ध पौधों के संरक्षण हेतु जीन बैंक का विकास किया तथा 14 महत्वपूर्ण संकटाग्रस्त प्रजातियों के सरक्षण हेतु इनकी रोपणी तकनीक विकसित की। औषधीय पौधों के रोपणी एवं कृषि तकनीक विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मध्यप्रदेश में पाई जाने वाली विभिन्न कंद प्रजातियों पहचान एवं संरक्षण का कार्य किया जा रहा है।	

क्र	नाम	पदनाम	उत्कृष्ट कार्य	
5	श्री के. एल वर्मा	वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी प्रलेख्य शाखा	श्री के. एल. वर्मा, राज्य वन अनुसंधान संस्थान में विगत 20 वर्षो से संस्थान की प्रलेख्य शाखा में कार्यरत है। इनके द्वारा मुख्य रूप से संस्थान के आरंभ 1922 से आज पर्यन्त तक प्रकाशित किये गये विभिन्न परियोजना प्रतिवेदनों, तकनीकि प्रत्रिकाय, विस्तार पत्रिकायें, प्रचार–प्रसार सामग्री का प्रकाशन आदि महत्वपूर्ण दस्तावेजों के संग्रहण, वर्गीकरण, सूचीकरण एवं प्रबंधन का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। संस्थान में उपलब्ध 425 विषय विशेष पर लेज़र फाईल्स का प्रबंधन एवं अद्यतन कार्य किया जा रहा है जो कि मात्र इसी संस्थान द्वारा किया जा रहा है।	
6	श्री मयंक मकरंद वर्मा	वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, वन्य प्राणी शाखा	कान्हा पेंच कोरिडोर में बाघों की उपस्थिति एवं आवागमन पर डी एन ए आधारित पद्धति द्वारा अनुश्रवण कर जी आई एस मैपिंग द्वारा 439 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र क्रिटिकल टाईगर हेबिटाट चिन्हाकिंत कर बाघ गणना तथा उनके जीन फलों के संबंध में महत्वपूर्ण अनुसंधान कार्य किया गया।	
7	श्री विजय हल्दकार	वनपाल, पारिस्थितकीय एवं पर्यावरण शाखा	विगत 28 वर्षों से संस्थान में औषधीय पौधों से संबंधित अनुसंधान एवं क्षेत्र सर्वेक्षण, पर्यावरणीय प्रभाव मुल्यांकन, वन्यप्राणी सर्वेक्षण तथा वनस्पति हरबेरियम में सराहनीय योगदान दिया गया ।	

क्र	नाम	पदनाम	उत्कृष्ट कार्य	
8	डॉ. अनिरूद्ध मजूमदार	रिसर्च एसोसिएट, वन्य प्राणी शाखा	• वर्ष 2016 में इनके द्वारा मध्यप्रदेश के सभी संरक्षित वन क्षेत्रों में बाघ एवं अन्य वन्यप्राणियों की स्थिति संबंधित Status रिपोर्ट तैयार की गई। इसके साथ–साथ, इनके द्वारा मध्य प्रदेश के सभी टाईगर रिज़र्व एवं संरक्षित क्षेत्रों के कैमरा ट्रैप से प्राप्त बाघों के डेटाबेस मैनेंजमेंट का काम सुचारू रूप से किया गया इनके द्वारा किये गये इस कार्य को पूरे प्रदेश में सराहा गया। • वर्ष 2017–2018 में अखिल भारतीय बाघ गणना हेतु मध्यप्रदेश वन विभाग को पूर्व आंकड़ों के विशलेषण उपरांत तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया जिसमें नई तकनीकों एवं वैज्ञानिक तरीके से गुणवत्तापूर्ण आंकड़ों का संग्रहण करने पर विशेष जोर दिया गया एवं प्रदेश के सभी संरक्षित सामान्य वन मंडल के वन अमले एवं कर्मचारियों को क्षेत्र में जाकर गहन प्रशिक्षण देकर मास्टर ट्रेनर तैयार किये गये जो पूरे प्रदेश में अत्यधिक सराहनीय है।	
9	श्री शिशुपाल सिंह मेहता	वनपाल	वर्ष 1994 से लगातार भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में संस्थान की ओर से भाग लेते आ रहे हैं। 100 से ज्यादा मैडिल प्राप्त हो चुके हैं। 400, 800, 1500 एवं 5000 मीटर में चार बार राज्य स्तरीय खेलकूद में बेस्ट एथलीट का मेडिल मिल चुका है। एथलेटिक के साथ वॉलीबाल भी स्टेट तक खेलते आ रहे हैं।	

क्र	नाम	पदनाम	उत्कृष्ट कार्य	
10	श्री गेंदलाल चौधरी	सहायक ग्रेड 3	वर्ष 1995 से लगातार भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में संस्थान की ओर से भाग लेते आ रहे हैं। इनके द्वारा एथलेटिक प्रतिर्स्पधाओं में अब तक 62 स्वर्ण, 29 सिल्वर एवं 12 कांस्य पदक प्राप्त किये हैं। इनके द्वारा संस्थान की भंडार शाखा में भी बड़ी मेहनत और लगन के साथ कार्य किया जा रहा है।	